एक नजर में

गणगौर जुलूस निकला, श्रद्धा व उत्साह का दिखा संगम

इंदौर. धार रोड स्थित टेकचंद धर्मशाला से गणगौर का भव्य जुलूस बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ निकाला गया. जुलूस में बड़ी संख्या में महिलाओं और युवतियों ने पारंपरिक वेशभूषा में भाग लेकर भगवान शिव-पार्वती की पूजा-अर्चना की और सुख-समृद्धि की कामना की.

राष्ट्रीय युवा सम्मेलन का समापन

इंदौर. जयपुरिया इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेज मेंट् द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्टीय युवा सम्मेलन का समापन हो गया. यह जानकारी देते हुए संस्था के निदेशक डॉ. दीपांकर चक्रवती ने बताया कि सम्मेलन में देश भर से आये शिक्षाविदो ,उद्योग विशेषज्ञ, शोधकर्ताओं ने विद्यार्थियो के साथ सतत विकास और नवाचार आधारित भविष्य के निर्माण पर गहन विचार विमर्श किया. कार्यक्रम संयोजक डॉ. अमिय कुमार मोहपात्र ने युवाओ की भूमिका को विस्तार से समझाया. इस मौके पर डिजिटल ट्रांसफार्मेशन और सर्कुलर इकोनामी विषय पर संपादित पुस्तक का विमोचन भी किया गया. सम्मेलन में डॉ. नंदिश वी. हिरेमठ, डॉ. आशुतोष मांडपे, डॉ सुनील कुमार एवं डॉ. आनंद एस. ने शिक्षा, अनुसंधान, पर्यावरणीय संतुलन और वैश्विक सहयोग के महतव् पर अपने विचार साझा किये। डॉ. देवाशीष मोहंती ने समापन उद्बोधन दिया तथा श्रेष्ठ शोध - पत्र पुरस्कार, प्रमाण - पत्र एवं सम्मेलन प्रकाशन वितरित किये। मीडिया प्रभारी प्रवीण जोशी ने बताया कि वेलेडिक्टरी सत्र मे डॉ. अनुभव मिश्रा, प्रो. कृष्ण अवतार, गोयल की विशेष उपस्थिति रही। विभिन्न सत्रों का संचालन छात्र चिराग शर्मा, निखिल मोड, श्रेयांश बारीक एवं सौरभ पांडा ने किया। डॉ. मोनिका अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

मल्टीविसरल ट्रांसप्लांट पर केंद्रित सर्जन्स कॉन्फ्रेंस संपन्न

इंदौर. एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया, इंदौर चैप्टर की वार्षिक कॉन्फ्रेंस सफलतापूर्वक आयोजित की गई. इस आयोजन में शहर के लगभग 100 सर्जन्स ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की. कॉन्फ्रेंस की थीम मल्टीविसरल ट्रांसप्लांट रखी गई थी, जिसका उद्देश्य शहर में उन्नत ट्रांसप्लांट सुविधाओं को बढ़ावा देना है. झ कॉन्फ्रेंस में चेन्नई से आए प्रख्यात मल्टीविसरल ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ. अनिल वैद्य एवं डॉ. सेंथिल ने विशेष रूप से भाग लिया. डॉ. अनिल वैद्य ने बताया कि टाइप-1 डायबिटीज और किडनी फेल्योर से जूझ रहे मरीजों के लिए किडनी और पैंक्रियाज का समवर्ती ट्रांसप्लांट एक क्रांतिकारी विकल्प है, जिससे मरीज को इंसुलिन और डायलिसिस दोनों से छुटकारा मिल सकता है. कार्यक्रम के अंतर्गत सुबह सर्जिकल स्किल वर्कशॉप का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 30 युवा सर्जन्स को जटिल सर्जिकल प्रक्रियाओं की हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग दी गई. दोपहर सत्र में आयोजित मुख्य कॉन्फ्रेंस में विशेषज्ञों ने मल्टीविसरल, आंत (इंटेस्टाइनल) ट्रांसप्लांट तथा किडनी-पैंक्रियाज समवर्ती ट्रांसप्लांट जैसे उन्नत विषयों पर विस्तार से जानकारी दी. एसोसिएशन के सचिव डॉ. निकुंज जैन ने कॉन्फ्रेंस में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए बताया कि इंदौर को एडवांस ट्रांसप्लांट हब बनाने की दिशा में ठोस प्रयास किए जा रहे हैं. डॉ. अनिल वैद्य ने बताया कि आंत ट्रांसप्लांट देश में अभी बहुत सीमित है और फिलहाल केवल चेन्नई के एक सेंटर पर ही यह सुविधा उपलब्ध है. एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. मनीष खाजगीवाले ने कहा कि पेट में अचानक तेज दर्द को नजरअंदाज करना गंभीर बीमारी का संकेत हो सकता है. कॉन्फ्रेंस के दौरान आगामी वर्ष के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें डॉ. अपूर्व चौधरी को अध्यक्ष एवं डॉ. प्रणव मंडलोवरा को सचिव निर्विरोध निर्वाचित किया गया. इस अवसर पर वरिष्ठ सर्जन डॉ. दिलीप आचार्य को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया.

सीए डॉ. शर्मा व नागपाल कार्यपरिषद सदस्य नियुक्त

इंदौर. शहर के प्रतिष्ठित चार्टर्ड अकाउंटेंट एवं सामाजिक रूप से सक्रिय व्यक्तित्व, सीए डॉ. अभय शर्मा एवं सीए जय नागपाल को तीन वर्षों के लिए क्रांतिवीर टंट्या भील विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद का सदस्य नियुक्त किया गया है. उनका कार्यकाल 23 मार्च 2026 से 22 मार्च 2029 तक रहेगा।. इस महत्वपूर्ण नियुक्ति को शिक्षा एवं प्रोफेशनल जगत में एक सकारात्मक कदम के रूप में देखा जा रहा हैं. सीए डॉ. अभय शर्मा लंबे समय से चार्टर्ड अकाउंटेंसी क्षेत्र में सक्रिय हैं और इंदौर सीए ब्रांच के पूर्व चेयरमैन (2018-19) रह चुके हैं. वर्तमान में वे हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड में स्वतंत्र निदेशक के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं तथा टैक्स प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन, इंदौर के उपाध्यक्ष पद का दायित्व भी निभा रहे हैं. वे अपने प्रभावी नेतृत्व, नवाचारपूर्ण सोच एवं सामाजिक प्रतिबद्धता के लिए व्यापक रूप से पहचाने जाते हैं।. उनकी नियुक्ति से विश्वविद्यालय की प्रशासनिक कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ होने की उम्मीद जताई जा रही है. इस नियुक्ति पर सीए समुदाय, शिक्षाविदों एवं सामाजिक संगठनों ने हर्ष व्यक्त करते हुए इसे इंदौर के लिए गौरव का विषय बताया है.

यज्ञशाला की परिक्रमा करने पहुंच रहे पीड़ित श्रद्धालु

इंदौर. दशहरा मैदान स्थित 'अवध लोक' पर चल रहे श्रीराम जन्मोत्सव में प्रतिदिन भक्तों का सैलाब निरंतर बढ़ता जा रहा है। रात्रि में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में जाने-माने कलाकारों की प्रस्तुतियां दर्शकों को आल्हादित कर रही हैं. यहाँ चल रहे लक्ष्मीनारायण महायज्ञ की यज्ञशाला में परिक्रमा करने वाले भक्तों की संख्या भी बढ़ रही है. विद्वान आचार्यों के निर्देशन में यहाँ 16 हजार 108 आहुतियों के लक्ष्य के मुकाबले अब तक 9 हजार से अधिक आहुतियां समर्पित की जा चुकी हैं. अनेक दिव्यांग, नेत्रहीन, मूक-बधिर एवं अन्य समस्याओं से ग्रस्त पीड़ित श्रद्धालुओं ने यज्ञशाला की परिक्रमा की। मंदिर में स्थापित राम दरबार की आरती में सांसद शंकर लालवानी सहित अनेक विशिष्ट अतिथि शामिल हुए. रविवार की रात को राम भक्ति पद गायन की मनोहारी प्रस्तुतियों ने हजारों श्रोताओं को मंत्रमुग्ध बनाए रखा. सबके राम लोक कल्याण समिति के संयोजक महेन्द्रसिंह चौहान एवं श्रीमती प्रवीणा अग्निहोत्री ने बताया कि दशहरा मैदान पर निर्मित वृन्दावन के प्रेम मंदिर की प्रतिकृति में राम दरबार के दर्शन-पूजन एवं आरती करने के लिए सांसद शंकर लालवानी, ओमेक्स ग्रुप के चेयरमैन राज मल्होत्रा, कपिल चौधरी, रवि चौधरी, भजन गायक संतोष अग्निहोत्री, अभय मानके भी कार्यक्रम स्थल पहुंचे. अतिथियों ने महाआरती में भाग लिया.

बिजली बकाया वसूली को लेकर कार्रवाई

- जब्ती कार्रवाई पर उठे सवाल, अधिकारियों ने दी सफाई

नवभारत न्यूज़

इंदौर. जलालपुर गांव में बिजली विभाग की कार्रवाई को लेकर एक वीडियो सामने आने के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया. वीडियो में कुछ लोग बिजली विभाग के कर्मचारियों पर आरोप लगाते हुए नजर आ रहे हैं कि वे बाइक, पानी के मोटर पंप और अन्य सामान अपने साथ ले जा रहे हैं. वीडियो बनाने वाला व्यक्ति लगातार कर्मचारियों और अधिकारियों पर सवाल उठाता दिखाई देता है.

इस पूरे मामले में देपालपुर के कार्यपालन यंत्री अभिषेक रंजन ने सफाई देते हुए बताया कि विभागीय स्टाफ दिनभर की कार्रवाई के बाद लौट रहा था, उसी दौरान यह वीडियो बनाया गया. उन्होंने स्पष्ट किया कि मोटरसाइकिल और पानी के मोटर पंप को नियमों के तहत ही जब्त किया गया है.

गांव में 75% बिजली बिल बकाया

अभिषेक रंजन कार्यपालन यंत्री के अनुसार जलालपुरा गांव में करीब 167 उपभोक्ता हैं, जिनमें से केवल 20 से 25 लोगों ने ही बिजली बिल का भुगतान किया है. शेष अधिकांश लोग बिना बिल चुकाए बिजली का उपयोग कर रहे हैं. उन्होंने बताया कि गांव में 75 प्रतिशत से अधिक उपभोक्ताओं पर बकाया राशि लंबित है.

रिकवरी एक्ट और विद्युत अधिनियम के तहत कार्रवाई

विभाग ने बकाया वसूली के लिए रिकवरी एक्ट और विद्युत अधिनियम की धाराओं के तहत यह कार्रवाई की है. अधिकारियों का कहना है कि नियमों के अनुसार ही जब्ती की गई है और यह कदम बकाया राशि वसूलने के लिए आवश्यक था.

मामले में एफआईआर दर्ज होने की संभावना

बिजली विभाग के सूत्रों के अनुसार इस मामले में आगे और कार्रवाई हो सकती है. जरूरत पड़ने पर संबंधित लोगों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की जा सकती है.

युवक ने दूसरी मंजिल से लगाई छलांग, हालत गंभीर

इंदौर. सिंधी कॉलोनी क्षेत्र में प्रेम-प्रसंग के चलते एक युवक सोमवार को नशे की हालत में दूसरी मंजिल से कूद गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया. युवक को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है.

जानकारी के मुताबिक, युवक गली नंबर 4 स्थित एक मकान में किराए से रह रही युवती से मिलने पहुंचा था, जो एक निजी अस्पताल में कार्यरत है. दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद युवक ने आवेश में आकर दूसरी मंजिल से छलांग लगा दी, जिससे उसे गंभीर चोटें आई. सूचना पर जूनी इंदौर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया. पुलिस मामले की जांच कर रही है और युवती सहित आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है.

मुंबई के वीडियो को इंदौर का बताकर किया वायरल

इंदौर. सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी फैलाने के मामले में पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए 5 इंस्टाग्राम अकाउंट्स के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है. इन अकाउंट्स द्वारा मुंबई में हुए एक कॉन्सर्ट के मारपीट के पुराने वीडियो को इंदौर का बताकर वायरल किया था. पुलिस के अनुसार 21 मार्च 2026 को खजराना थाना क्षेत्र में हुए कॉन्सर्ट से जोड़कर एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित किया जा रहा था, जिसमें पंजाबी गायक करण औजला के कार्यक्रम में मारपीट होने का दावा किया गया था. सोशल मीडिया मॉनिटरिंग के दौरान पुलिस ने जांच की तो पाया कि यह वीडियो इंदौर का नहीं, बल्कि मुंबई में हुए एक पुराने कॉन्सर्ट का है, जिसे भ्रामक जानकारी के साथ साझा किया गया.

फेसबुक दोस्ती के जाल में फंसी महिला से बंधक बनाकर रेप

इंदौर. लसुड़िया थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया के जरिए हुई दोस्ती के बाद एक महिला के साथ दुष्कर्म और धोखे का गंभीर मामला सामने आया है. आरोपी महिला को मायके छोड़ने का झांसा देकर अपने साथ ले गया और उसे बंधक बनाकर कई दिनों तक दुष्कर्म करता रहा. पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है.

थाना प्रभारी तारेश सोनी ने बताया कि 34 वर्षीय पीड़िता की शिकायत पर आरोपी विनय कुमार पिता शिवजी भगत निवासी बनवारीपुर (बिहार) के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है. बताया गया कि महिला की आरोपी से कुछ समय पहले फेसबुक के माध्यम से जान-पहचान हुई थी. पीड़िता का अपने पति से विवाद चल रहा था, जिसका फायदा उठाकर आरोपी ने उसे अपने झांसे में ले लिया. आरोपी ने भरोसा दिलाया कि वह उसे और उसके बच्चों को अपना लेगा तथा सुरक्षित मायके पहुंचा देगा. महिला उसके कहने पर बच्चों के साथ चली गई. आरोप है कि आरोपी महिला को मायके ले जाने के बजाय अलग-अलग होटलों में ले गया, जहां उसने उसे और उसके बच्चों को जान से मारने की धमकी दी. डरी हुई महिला के साथ आरोपी ने कई बार जबरन दुष्कर्म किया और विरोध करने पर मारपीट भी की. किसी तरह आरोपी के चंगुल से निकलकर महिला थाने पहुंची और घटना की शिकायत दर्ज कराई. पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है.

शराब के विवाद में बेटे-बहू ने बुजुर्ग से की मारपीट

इंदौर. चंदननगर थाना क्षेत्र में पारिवारिक विवाद के चलते बेटे और बहू द्वारा पिता के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है. पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. थाना प्रभारी तिलक करोले न बताया कि फरियादी दिनेश तंवर (58) निवासी आंगनवाड़ी के पास, जवाहर टेकरी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है. फरियादी ने बताया कि रविवार की रात वह घर के बाहर आंगन में बैठा था. इसी दौरान उसका बेटा बादल तंवर शराब के नशे में घर आया. पिता द्वारा उसे शराब पीकर घर नहीं आने की समझाइश देने पर वह गाली-गलौज करने लगा. विरोध करने पर आरोपी बादल घर के अंदर से मोगरी लेकर आया और पिता के सिर पर हमला कर दिया. वहीं, बहू संगीता तंवर ने भी हाथ-मुक्कों से मारपीट की. घटना में फरियादी को सिर, कंधे और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई हैं. फरियादी के अनुसार, दोनों आरोपियों ने रिपोर्ट करने पर जान से खत्म करने की धमकी भी दी.

मांगलिया रेलवे ब्रिज : सियासत तेज, आंदोलन से पहले मंत्री का दौरा

- 28 मार्च के धरने को लेकर बढ़ा टकराव

इंदौर. मांगलिया रेलवे ब्रिज को लेकर क्षेत्र में सियासत तेज हो गई है. 28 मार्च को प्रस्तावित धरना प्रदर्शन से पहले मंत्री तुलसी सिलावट के ब्रिज निरीक्षण पर विवाद खड़ा हो गया है. ग्रामीणों और आंदोलनकारियों ने इसे जनआक्रोश के दबाव में किया दौरा बताया है.

किसान नेता हंसराज मंडलोई ने आरोप लगाया कि प्रस्तावित आंदोलन को कमजोर करने और जनाधार बचाने के लिए मंत्री को अचानक मौके पर पहुंचना पड़ा. उन्होंने कहा कि दो वर्षों से ब्रिज का काम धीमी गति से चल रहा है और कई महीनों से सड़क बंद होने से क्षेत्र के लोग परेशान हैं. मंडलोई ने बताया कि मांगलिया रेलवे ब्रिज संघर्ष समिति के बैनर तले 28 मार्च (शनिवार) को सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक धरना प्रदर्शन किया जाएगा.

इसमें गारी पिपलिया गांव के दो युवाओं-धीरज पिता गणेश और संदीप पिता प्रेम नारायण की मौत के मामले को प्रमुख मुद्दा बनाया गया है. आंदोलनकारियों का आरोप है कि जाम और सड़क बंद होने के कारण समय पर इलाज नहीं मिलने से दोनों की मौत हुई. परिजनों को एक-एक करोड़ रुपए मुआवजा देने की मांग की जा रही है. आंदोलन को क्षेत्र में व्यापक समर्थन मिल रहा है. विशेष रूप से अगरबत्ती फैक्ट्रियों में काम करने वाली महिलाओं सहित आसपास के गांवों के लोग इसमें शामिल होने की घोषणा कर चुके हैं.

ग्रामीणों ने लगाए टोल कंपनी से सांठगांठ के आरोप

ग्रामीणों ने टोल कंपनी से सांठगांठ के आरोप भी लगाए हैं और कहा है कि सड़क बंद कर क्षेत्रवासियों को परेशानी में डाला. उन्होंने स्पष्ट किया है कि जब तक मुआवजा और ब्रिज निर्माण को लेकर ठोस कार्रवाई नहीं होती, आंदोलन जारी रहेगा. वहीं, मंत्री के दौरे को लेकर स्थानीय लोगों ने तंज कसते हुए कहा कि दो साल बाद अब फुर्सत मिली है. संघर्ष समिति ने क्षेत्रीय नागरिकों से 28 मार्च के धरना प्रदर्शन को सफल बनाने की अपील की है.

31 मार्च तक हर हाल में पूरे हों योजनाओं के लक्ष्य

- कलेक्टर ने अधिकारियों को दिये निर्देश
- शासकीय विभागों और बैंक अधिकारियों की संयुक्त बैठक

इंदौर. हितग्राही एवं रोजगार मूलक योजनाओं के लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर शिवम वर्मा ने आज कलेक्टर कार्यालय में शासकीय एवं बैंक अधिकारियों की संयुक्त बैठक लेकर प्रगति की समीक्षा की। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति की बिंदुवार समीक्षा की गई.

कलेक्टर श्री वर्मा ने निर्देश दिये कि 31 मार्च तक सभी निर्धारित लक्ष्य हर हाल में पूरे किए जाएं. उन्होंने विभागों और बैंकों को समन्वय के साथ कार्य करने पर जोर देते हुए कहा कि योजनाओं का वास्तविक लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचना चाहिए. बैठक में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना सहित अन्य योजनाओं की प्रगति पर चर्चा हुई. कलेक्टर ने निर्देश दिए कि हितग्राहियों के ऋण प्रकरणों में अनावश्यक देरी न हो और स्वीकृति एवं वितरण की प्रक्रिया को तेज किया जाए. उन्होंने यह भी कहा कि बिना उचित कारण के किसी भी प्रकरण को निरस्त करना स्वीकार्य नहीं होगा. बैंकवार समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने धीमी प्रगति वाले प्रकरणों पर संबंधित अधिकारियों को सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण और नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया.

संवेदनशीलता के साथ कार्य करें

कलेक्टर ने कहा कि यह योजनाएं लोगों के जीवन से जुड़ी हैं, इसलिए प्रत्येक अधिकारी पूरी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ कार्य करें, ताकि अधिकतम हितग्राहियों को समय पर लाभ मिल सके.

राम वनवास भारतीय संस्कृति के आदर्शों का प्रतीक

इंदौर. संस्था सोसायटी ऑफ ऑथर्स द्वारा इंडियन काफी हाउस रीगल चौराहा सभागृह में लेखक व्रजेन्द्र नागर की नवीन प्रकाशित कृति राम को वनवास क्यों पर चर्चा की गई. इस अवसर पर पूर्व ग्रंथपाल डॉ जी.डी. अग्रवाल ने कहा कि रामायण केवल राम की यात्रा नहीं है, यह मानवीय मूल्यों की समय के साथ चलती हुई यात्रा है.

इस यात्रा का महत्वपूर्ण प्रसंग राम वनवास जीवन की परीक्षा, साहस, न्याय, और धर्म की रक्षा की महागाथा है. चर्चाकार रामनारायण सोनी ने कहा कि राम वनवास प्रसंग भारतीय संस्कृति के आदर्श त्याग, मर्यादा, कर्तव्य और धर्म की रक्षा का प्रतीक है. यह कथा पाठकों को जीवन मूल्यों पर विचार करने के लिए प्रेरित करती है. इस प्रसंग के माध्यम से लेखक ने यह स्पष्ट किया है कि महानता का आधार सत्ता या वैभव नहीं, बल्कि चरित्र और मर्यादा होती है. मुकेश इंदौरी ने कहा कि रामायण मानव के भगवान बनने तक की यात्रा है. राम वनवास प्रसंग व्यक्तिगत सुख से ऊपर सामाजिक मर्यादा का उत्कृष्ट उदाहरण है. ये प्रसंग हमें यह सिखाता है कि नेतृत्व अधिकार से नहीं, आचरण से स्थापित होता है. वचन पालन, संयम और न्याय-यही लोकतांत्रिक मूल्यों की रीढ़ हैं. आज भी ये प्रसंग इसलिए स्मरणीय है कि वह सत्ता का त्याग नहीं, बल्कि धर्म की स्थापना है-जहां कर्तव्य सबसे उपर है. कार्यक्रम की शुरुआत पुष्पा खंडेलवाल ने शारदे वंदना से की. स्वागत उदबोधन डॉ. रवीन्द्र पहलवान ने दिया. संचालन मुकेश इंदौरी ने किया. कार्यक्रम में डॉ. अनुपमा जैन, कमल कासलीवाल, आरडी गुप्ता, महेन्द्र सांघी, अनिल ओझा, सुरेश रायकवार, मधुबाला नागर, शोभारानी तिवारी, डॉ. स्वाति सिंह, ओमप्रकाश जोशी आदि साहित्यकार उपस्थित थे. आभार वाय के गुप्ता ने माना.

साई बाबा की पालकी यात्रा और प्रभात फेरी का पुष्प वर्षा के बीच भव्य स्वागत

इंदौर. शहर के पश्चिमी क्षेत्र स्थित स्कीम 71 के हरिहर नगर और आसपास के क्षेत्रों में सोमवार की सुबह केन्द्रीय साई सेवा समिति की मेजबानी में निकली साई बाबा की पालकी और प्रभात फेरी में येलकोट-येलकोट, जय मल्हार के जयकारों की गूंज बनी रही. आतिशबाजी, रंगोली, पुष्प वर्षा, दीप सज्जा और जयकारों के बीच मराठी समाज की महिलाओं ने फुगडी खेलकर भजनों पर नृत्य करते हुए बाबा की अगवानी की.

साई भक्त ज्ञानेश्वर-पिंकी होल्कर के निवास पर बाबा की पालकी के पूजन के साथ शुरू हुई यात्रा का हर जगह जबरदस्त स्वागत और पूजन हुआ. शहर के 200 से अधिक साई मंदिरो से जुड़े भक्तों ने स्कीम 71 क्षेत्र में रहवासियों को मूक परिंदों को ग्रीष्म काल में दाना-पानी देने के लिए सकोरे भी भेंट किए और मार्ग में मिले सफाई मित्रों को फल एवं उपहार भी भेंट किए. मंगलवार को भोई मोहल्ला, रामबाग क्षेत्र में भव्य साई पालकी यात्रा और प्रभात फेरी के लिए पूरे क्षेत्र को दुल्हन की तरह सजाया गया है. केन्द्रीय साई सेवा समिति के अध्यक्ष गौतम पाठक, प्रदीप यादव एवं ज्ञानेश्वर होल्कर ने बताया कि साई बाबा की सुसज्जित पालकी की एक झलक पाने के लिए भक्तों में होड़ सी लगी रही. इस दौरान भजन गायक प्रदीप परमार और ध्रुव सेठी के भजनों पर साई भक्त पूरे समय थिरकते रहे। प्रभात फेरी में समीर जोशी, आलोक खादीवाला, मोहन पहलवान, संजय कड़, गोलू पंवार, हर्षदीप राशिनकर, दीपक वालेकर, मनीष वालेकर, दिव्येश होल्कर, निलेश केदारे, अशोक देशमुख, धर्मेन्द्र प्रजापत, कर्मकार मांडलिक, मधुकर बुद्धे, श्याम राव पाचारने सहित सैकड़ों साई भक्तों ने नाचते-गाते हुए अपनी मौजूदगी दर्ज कराई।

एक नजर में — स्व. माथुर के प्रथम पुण्य स्मरण पर विजय नगर स्थित आनद मोहन माथुर सभागृह में पुष्पांजली दी गई

स्व. माथुर का इंदौर सदा ऋणी रहेगा : महापौर

इंदौर। गरिमामय समारोह में वरिष्ठ समाजसेवी एवं पूर्व महा अधिवक्ता स्व. आंनद मोहन माथुर के प्रथम पुण्य स्मरण पर उनके छाया चित्र एवं राजकीय सम्मान स्वरूप प्राप्त राष्ट्रीय ध्वज का अनावरण किया गया. महापौर पुष्यमित्र भार्गव, हिमाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल एवं जस्टिज् व्ही एस कोकजे, प्रो. सरोज कुमार, डॉ. राजकुमार माथुर, डॉ. पूनम माथुर, कर्नल माथुर ने विजय नगर स्थित माथुर सभा गृह में स्व. माथुर के छाया चित्र और राजकीय सम्मान स्वरूप प्राप्त राष्ट्रीय ध्वज का अनावरण कर उन्हें पुष्पांजली अर्पित की गई.

इस मौके पर आनन्द मोहन माथुर चेरिटेबल ट्रस्ट के निर्मल मिश्र, एडवोकेट अभिनव घनोतकर, अतुल सेठ एवं डॉ राहुल माथुर विशेष रूप से उपस्थित थे. इस अवसर पर महापौर भार्गव ने कहा कि जो अपने पुरुषार्थ से पद चिन्ह बनाता है, ऐसा व्यक्ति ही समाज में पूजा जाता है. स्व. माथुर ऐसे ही उर्जावान व्यक्तित्व थे. उनसे मेरा परिचय छात्र जीवन से रहा और मैंने स्व. माथुर से वकालत की बारीकियां सीखी. वे बेहतर अधिवक्ता ही नहीं अच्छे इंसान भी थे और मानवीय मूल्यों के धनी थे. स्व. माथुर ने मुक्त हाथों से विभिन्न सामाजिक संस्थाओं को आर्थिक ताकत दी. इसकी एक लम्बी फेहरिस्त है. इंदौर इस सहयोग के लिए स्व. माथुर का सदैव ऋणी रहेगा. गरीबो का कैसा भला हो? इस दिशा में स्व. माथुर केवल सोचते ही नहीं थे वे गरीबो का भला भी करते भी थे. गरीबों की कानूनी लडाई वे अपने खर्चे से लड़ते थे. कार्यक्रम में स्व. माथुर के जीवन यात्रा पर केंद्रित लघु फिल्म दिखाई गई. अतिथि स्वागत डॉ .राजकुमार माथुर ने किया. संचालन जस्मीत भाटिया ने किया. आभार माना अतुल सेठ ने. कार्यक्रम में कायस्थ महासभा के अध्यक्ष से महेश श्रीवास्तव, सुशील श्रीवास्तव, वीणा श्रीवास्तव, प्रवीण जोशी, वीके गुप्ता सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे.

इंदौर में जनहित याचिका दायर करने की शुरूआत की

पूर्व राज्यपाल व्ही. एस कोकजे ने कहा कि स्व. माथुर से मेरा परिचय करीब 6 दशक पुराना रहा. वे मेरे गुरु भी रहे और प्रेरणा स्रोत भी. स्व. माथुर से मैंने बहुत कुछ सीखा. वे कुशल अधिवक्ता और कानून के ज्ञाता थे. श्री कोकजे ने कहा कि इंदौर में जनहित याचिका दायर करने की शुरुआत स्व. माथुर ने ही की थी. कोर्ट मे दायर 90 प्रतिशत जनहित याचिका अकेले स्व. माथुर की होती थी. स्व. माथुर ने समाज से जो धन अर्जित किया उसे पुन लौटाने का कार्य किया.